PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Wed, 16 Aug 2017, Page 9
Width: 21.34 cms, Height: 28.53 cms, a3, Ref: 8.2017-08-16.48

लाल किले से बड़ी योजनाओं के ऐलान से बचे प्रधानमंत्री

Narendra.Mishra
@timesgroup.com

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब लाल किला से अपना चौथा भाषण देने आए तो लोगों में यह उत्सुकता थी कि इस बार वह देश को किन नई योजनाओं की सौगात देने वाले हैं, लेकिन मोदी ने अपने चौथे भाषण में नई योजना की घोषणा करने की परिपाटी से अलग हटने की कोशिश की। अमूमन इस मौके पर कई बड़ी घोषणाएं होती थीं, लेकिन इस बार पीएम ने एक भी घोषणा नहीं की।

पिछली बार भी पीएम ने किसी बड़ी योजना की घोषणा करने की जगह 2 छोटी योजनाओं का ऐलान किया था। उन्होंने उस समय स्वतंत्रता सेनानियों के लिए पेंशन में 20 प्रतिशत की वृद्धि का ऐलान के साथ दूसरी घोषणा यह की थी कि बीपीएल परिवारों के लिए सरकार एक लाख रुपये तक के चिकित्सा खर्च को वहन करेगी, लेकिन इस बार वह किसी भी तरह की नई योजनाओं का ऐलान करने से बचे।

पीएम चाहते हैं सरकार की पिछली योजनाएं जमीन पर असर दिखाएं

अपने एक घंटे के भाषण में उन्होंने अधिकतम समय अपनी सरकार के तीन साल के कामकाज की उपलब्धियां पेश की। भाषण में पीएम ने न्यू इंडिया के बारे में अपने विजन को भी पेश किया। उन्होंने नई योजना की घोषणा से परहेज करते हुए बताया कि किस तरह 3 सालों के उनके टर्म में देश में विकास का काम पटरी पर आ गया है।

जानकारों के अनुसार नई योजनाओं की घोषणा न करने के पीछे पीएम मोदी की यह सोच थी कि जिन योजनाओं का ऐलान वह कर चुके हैं, वह जमीन पर अपना असर दिखाएं। अगर इस बार नई योजनाओं का ऐलान किया जाता तो 2019 के आम चुनाव तक उनका असर दिखा पाना सरकार के लिए आसान न होता। इसके साथ पीएम ने नई योजना का परहेज कर विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब भी दिया। विपक्ष सरकार पर आरोप लगाता रहा है कि दावे के विपरीत सरकार के काम जमीन पर नहीं दिख रहे हैं। सूत्रों के अनुसार चुनाव से ठीक पहले पीएम मोदी अगले साल के अंतिम पूर्ण बजट में कुछ बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं।